बारिश से सड़कों पर दरिया, कच्ची बस्तियों में घर-वाहन मिट्टी में दबे

जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ, गलताजी में फंसे 15-20 लोगों को रेस्क्यू टीम ने निकाला

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। परकोटे समेत जयपुर की अधिकांश सड़कें दरिया में तब्दील होकर बहती नजर आयी। वहीं दिल्ली बायपास स्थित लाल डूंगरी इलाके में कच्ची बस्तियों और निचले इलाकों में पानी के तेज बहाव के साथ मिट्टी भी आई। इससे छोटी-छोटी झुग्गी झोपड़ियां और कुछ मकानों में मिट्टी भर गयी। यहां तक कि ऑटो रिक्शा और कार समेत कई वाहन भी मिट्टी में दब गए। लोग तेज बारिश और बहाव से बचने के लिए छतों पर चढ़ गए। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने स्तर पर ही घरों में घुसी मिट्टी को बाहर निकालने की कवायद शुरू की।

वहीं दूसरी ओर बारिश के दौरान गलता तीर्थ के पीछे करीब 15-20 लोग फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। चारदीवारी में घुटनों तक पानी भर गया, काले हनुमान जी मंदिर में भी पानी घुस गया। जवाहर नगर, राजापार्क जैसे इलाकों में बिजली गुल हो गई और करणी पैलेस रोड तालाब में तब्दील हो गई। जयसिंहपुर खोर के दीपक नगर में एक परिवार गहरे पानी में फंस गया। बारिश का पानी घर में घुस गया था। रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला। मोती डूंगरी रोड से लेकर नायला तक सड़कों पर करीब 4 से 5 फीट तक पानी भर गया। लोग कमर से ऊपर

- **जयपुर परकोटे और आगरा रोड पर करीब 4 फीट तक पानी भरा, पानी के तेज बहाव में फंसी कई गाड़ियां**

तक पानी में डूबे हुए नजर आए। सांगानेरी गेट पर स्थित काले हनुमानजी मंदिर में बारिश का पानी अंदर तक चला गया। भारी बारिश के बाद जयपुर में घाट की गुणी टनल के पास झरना बहने लगा। तेज बारिश के कारण शहर की अधिकांश सड़कों पर ट्रैफिक जाम लग गया। जहां दिनभर वाहन चालक रैंगते हुए आगे बढ़े। प्रदेश और जयपुर के सबसे बड़े एसएमएस हॉस्पिटल में भी बारिश का पानी घुस गया। तेज बारिश के बाद डीडीसी काउंटर 10, 11 और बिलिंग काउंटर के सामने पानी भरने से दवाइयां लेने और जांचों के बिल बनवाने के लिए आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जवाहर सर्किल पर भारी बरसात के बाद पानी भर गया। कुछ साल पहले जयपुर जेडीए ने यहां 1 किलोमीटर लंबी ड्रेनेज लाइन डालकर पानी निकासी की व्यवस्था की थी, लेकिन तेज बारिश में पानी की मात्रा अधिक होने के कारण यह लाइन भी ओवरफ्लो हो गई, जिसके चलते पानी सड़क पर ही जमा हो गया।

राजधानी जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश के बाद शहर की सड़कों पर पानी भर गया। इस दौरान यहां से निकलने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। वहीं दूसरी ओर दिल्ली बायपास स्थित लाल डूंगरी इलाके में तेज बारिश के बाद मिट्टी बहकर लोगों के घरों में घुस गयी। यहां तक कि कई वाहन भी मिट्टी के अंदर ही धंस गए। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने स्तर पर ही राहत कार्य शुरू किए और घरों में घुसी मिट्टी बाहर निकालकर एक-दूसरे की मदद की।

फोटो-राष्ट्रदूत

स्मार्ट मीटर योजना पर हंगामा करने के बाद कांग्रेस ने किया वॉकआउट

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को लेकर बुधवार को विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस ने योजना में गड़बड़ी के आरोप लगाए और प्रश्नकाल के दौरान जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के सवाल के जवाब में ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला कांग्रेस सरकार ने ही किया था और टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ब्लैकलिस्टेड फर्म को टैंडर नहीं दिया गया है।

मंत्री नागर ने कहा, ''स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत राज्यों की स्वेच्छा पर था। कांग्रेस सरकार ने 2023 में कैबिनेट सर्कुलर के जरिए इसे मंजूरी दी

- **सदन के भीतर इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष में हुई तीखी नोकझोंक**

थी, लेकिन कैबिनेट की बैठक तक नहीं बुलाई गई थी।'' इस पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर दिया।

वॉकआउट के बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने टिप्पणी करते हुए कहा, ''स्मार्ट मीटर की योजना कांग्रेस सरकार के समय लागू हुई थी, तब तो ये कुछ नहीं बोले। अब सदन से भाग रहे हैं।'' पटेल की टिप्पणी के बाद कांग्रेस विधायक दोबारा सदन में लौट आए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ''हम बहिर्गमन करके गए तो पीछे से चोरों की तरह बात करते हो। अगर हिम्मत है तो सामने कहो।''

जवाब में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, ''हिम्मत नहीं है विधानसभा में फेस करने की।'' इस पर जूली ने पलटवार करते हुए कहा, ''विधानसभा का मजाक बना रखा है। सामने जवाब दो, दो साल से सरकार कैसे चल रही है, सब पता चल जाएगा।''

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत भी बहस में शामिल हुए और कहा, ''कांग्रेस सरकार ने ही योजना लागू की थी, उस वक्त आप क्यों चुप थे?'' इस पर जूली ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, ''यह बेशर्मों की सरकार है।'' स्मार्ट मीटर योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच हुई यह तीखी बहस अब राजनीतिक सरगर्मियों को और बढ़ा सकती है।

जेडीए ने 18 अवैध डुप्लेक्स सील किए

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम में 18 अवैध डुप्लेक्स मकानों की पुनः पुख्ता सीलिंग सील की।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन 6 स्थित नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम के भूखण्ड संख्या 05, 5ए, 06, 6ए, 07, 08, 09, 9ए, 10, 10ए, 11, 12, 17, 17ए, 18, 18ए, 19 व 20 में डूप्लेक्सों के अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को पूर्व में धारा 32-33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर सीलिंग की कार्यवाही की गई थी। इसके बावजूद बिल्डर ने भूखण्डों की सील तोडकर भू-स्वामी द्वारा पुनः अवैध निर्माण शुरू कर दिया। जैसे ही इसकी सूचना हमें मिली तो बुधवार को इन सभी 18 अवैध डुप्लेक्स मकानों के प्रवेश द्वार, खिडकियों में ईटों की दीवार चुनवाकर पुनः नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की।

प्रदेश की गली-सड़कों पर सरकार लगाएगी 2 लाख स्ट्रीट लाइट्स

जयपुर । प्रदेशवासियों को त्योहारी सीज़न से पहले बड़ी सौगात देते हुए राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों की रात्रिकालीन सुरक्षा, ऊर्जा बचत और बेहतर यातायात व्यवस्था के उद्देश्य से एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या दोगुनी कर दी है। रविवार को हुई मंत्रिपरिषद बैठक में बजट 2025-26 में प्रस्तावित 1 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या बढ़ाकर 2 लाख करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश की हर सड़क, हर मोहल्ला और हर बाजार रोशनी से जगमगाए। यह केवल रोशनी की व्यवस्था नहीं, बल्कि सुरक्षित और आधुनिक राजस्थान की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य की शुरुआत दीपावली से पूर्व की जाए, ताकि त्योहारी मौसम में प्रदेश की सड़कें उज्जवल और सुरक्षित दिखाई दें। राज्य की 312 नगरीय निकायों में लगातार बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय विस्तार को देखते हुए आधुनिक प्रकाश व्यवस्था को आवश्यक बताया गया है। इसी क्रम में पुरानी और कमजोर स्ट्रीट लाइटों को हटाकर नई एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। यह निर्णय नगरीय क्षेत्रों की सूरत बदलने के साथ ही नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और ऊर्जा-संवेदनशील वातावरण भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वायत्त शासन विभाग जल्द ही प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर इस कार्य को अमल में लाएगा। उल्लेखनीय है कि शहर चलो अभियान के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य की सभी नगरीय निकायों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने और बंद पड़ी लाइटों को चालू करने का कार्य किया जाएगा। नागरिकों की स्ट्रीट लाइट, पेयजल और सड़क से जुड़ी शिकायतों व सुझाव समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 भी जारी किया गया है।

सार-समाचार

'एमएसएमई सशक्त बना रही सरकार'

जयपुर (कासं)। राजस्थान सरकार एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए नीति सुधार, निवेश प्रोत्साहन और व्यापार करने में आसानी जैसे ठोस कदम उठा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य राज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को गति देना है। इस प्रकार के कॉन्फ्रेंस के आयोजनों से उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों, नीति निर्माताओं और उद्यिमयों को एक मंच पर लाकर सकारात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है। यह बात राजस्थान सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के जनरल मैनेजर, रेनो राज ने इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), राजस्थान स्टेट काउंसिल द्वारा जयपुर स्थित नोवोटेल में आयोजित कॉन्फ्रेंस राजस्थान एमएसएमई संवाद 2025 में कीनोट संबोधन के दौरान कही। यह कॉन्फ्रेंस रीइन्वेंटिंग एंड स्केलिंग अप एमएसएमईज़ इन राजस्थान: नैविगेटिंग टुवड्र्स विकसित भारत थीम पर आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीसी राजस्थान स्टेट काउंसिल की चेयरपर्सन एवं जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल्स की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल द्वारा स्वागत संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने राजस्थान की अर्थव्यवस्था के भविष्य के निर्माण में एमएसएमई के लिए इनोवेशन और रेजिलिएंस की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस बस और ट्रक में जोरदार भिड़ंत

जयपुर । दौसा जिले में स्थित सदर थाना इलाके के कालाखों गांव के समीप बुधवार को पुलिस बस को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी बस की केबिन पूरी तरह से क्षितग्रस्त हो गई। हादसे में बस में बैठे हार्डकोर बदमाश सहित सात पुलिस कर्मी बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर लम्बा जाम लग गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से पुलिसकर्मी और हार्डकोर बदमाश को बस से बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से सिकंदरा के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस बस बीकानेर से धौलपुर की ओर जा रहीं थी। पुलिस बस में कुख्यात हार्डकोर बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का भी सवार था। बताया जा रहा है कि पुलिस बस में हादसे के दौरान सात पुलिकर्मी और हार्डकोर बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का भी मौजूद था । जिसे पुलिस बीकानेर से गिरफ्तार कर धौलपुर लेकर जा रहीं थी। इस हादसे में एएसआई ,एक कमांडो और बस ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हो गए। खबर लिखे जाने तक तीनों की हालत गंभीर बताई जा रहीं है। जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इस हादसे में कुख्यात बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का को मामूली चोट आई है। पुलिस बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत की सूचना मिलते ही सदर थाना एएसआई भीखाराम जाब्ता लेकर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरु कर ग्रामीणों की मदद से सभी घायल पुलिसकर्मियों ओर कुख्यात बदमाश को सिकंदरा स्थित अस्पताल भिजवाया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। जायजा लेने के बाद रवि प्रकाश ने बताया कि घटना के सहीं कारणों की उचित जांच की जाएगी।

प्रिंसिपल-टीचर्स अवार्ड समारोह 6 को

जयपुर । थार सर्वोदय संस्थान , सिम्पली जयपुर और रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के तत्वाधान में शिक्षकों के सम्मान में प्रिंसीपल्स एंड टीचर्स अवार्ड 2025 के चौदहवां संस्करण का आयोजन शनिवार 6 सितम्बर को शाम 5 बजे से रंगायन जवाहर कला केंद्र में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक थार सर्वोदय संस्थान की ट्रस्टी अंशु हर्ष एवं रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी सुधीर माथुर ने बताया कि '' इस वर्ष कुछ ऐसे शिक्षकों का सम्मान भी करा जायेगा, जिन्होंने अपना जीवन नयी पीढ़ी को ज्ञान देने मे समर्पित किया। माला माथुर मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन एजुकेशन'' शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी मेहनत और उपलब्धि का सम्मान है।इस वर्ग में 6 लोगो को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन एजुकेशन से सम्मान किया जायेगा। इस केटेगरी में प्रोफेसर एन. डी. माथुर , डॉ. कान्ता आहूजा, प्रोफेसर सुधा राय, प्रो. मिनी नंदा, पिंकी सिंह, डॉ. अजीत कुमार जैन का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मान किया जाएगा। आयोजक सोमेंद्र हर्ष ने बताया कि इस वर्ष के सम्मान समारोह में राजस्थान के जयपुर के अलावा जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर, सिरोही, पाली और जालोर से लगभग 43 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली, लखनऊ, गुजरात और जम्मू-कश्मीर से लगभग 37 शिक्षकों को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार प्री-स्कूल, सरकारी एवं निजी विद्यालय, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षिणक संस्थानों की विभिन्न श्रेणियों से 164 शिक्षकों को प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवार्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा।''

छात्रसंघ चुनाव पर सुनवाई 15 को

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में शैक्षिणक सत्र 2025-26 के चुनाव कराने के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई 15 सितंबर तक टाल दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व दो अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि जय राव की याचिका में राज्य सरकार ने अपना जवाब पेश कर दिया है। जिसमें कहा गया कि इस सत्र में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं वहीं विवि प्रशासन का भी जवाब आ गया है। वहीं इस याचिका के साथ दो अन्य याचिकाएं भी सूचीबद्ध हैं। इन दोनों याचिकाओं में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जवाब के लिए 15 सितंबर तक का समय दिया है। गौरतलब है कि गत दिनों राज्य सरकार और विवि प्रशासन ने जवाब पेश कर छात्र हित में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के निर्णय के आधारों को लेकर अदालत में विस्तृत जवाब पेश किया है।

डॉ. सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन समिति की रिपोर्ट अब बजट सत्र में पेश होगी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । आरएलडी विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन समिति की रिपोर्ट अब आगामी बजट सत्र में पेश की जाएगी।

समिति के सभापति केशाराम चौधरी ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट सत्र के पहले सप्ताह तक का समय मांगा, जिसे सदन ने स्वीकृति दे दी है। गौरतलब है कि 4 फरवरी को भरतपुर में लोहागढ़ फोर्ट के निवासियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा नोटिस और धमकी देने का मुद्दा डॉ. सुभाष गर्ग ने विधानसभा में उठाया था। इस पर सत्ता पक्ष ने आरोप लगाया था कि गर्ग ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया, जिससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंची। इसके चलते उन्हें विशेषाधिकार हनन समिति के समक्ष पेश किया गया। अब समिति की रिपोर्ट बजट सत्र के पहले सप्ताह में सदन के पटल पर रखी जाएगी। इस रिपोर्ट को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि यह मामला सत्ता और विपक्ष के बीच तीखे टकराव का कारण बन चुका है। विशेषाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोपों में आगे क्या रुख लिया जाएगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

मंटो की कहानी पर नाटक प्रस्तुति आज

जयपुर । अर्जुन नाट्य संस्था द्वारा प्रस्तुत, महान लेखक सआदत हसन मंटो की प्रसिद्ध कहानी पर आधारित नाटक''काली सलवार'' पवन सोनी के निर्देशन में रविंद्र मंच के मिनी सभागार में 4 सितंबर को शाम 6:30 बजे खेला जाएगा। यह नाटक सुल्ताना नामक एक यौनकर्मी की कहानी को बयाँ करता है, जो उसकी एक काली सलवार पहनने की गहरी इच्छा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे वह अपनी आर्थिक तंगी के कारण ख़ुद नहीं ख़रीद पाती। नाटक यौनकर्मियों की उन आकांक्षाओं, सपनों और इच्छाओं को भी दर्शाता है जो हर आम महिला की तरह उनके भीतर भी जन्म लेती है पर उनकी इन बातों को समाज तवज्जोह नहीं देता।

कोचिंग इंडस्ट्री की चिंता तो कर रहे हो, बच्चों की चिंता कौन करेगा?

जयपुर (विसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी ने कहा कि हजारों करोड़ की कोटा कोचिंग इंडस्ट्री की हर कोई चिंता रहा है। कोई बच्चों को ईमानदारी से नहीं बता रहा कि तुम कोचिंग से जीवन खराब कर रहे हो, वहां सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने सदन में सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि, कोचिंग इंडस्ट्री का संरक्षण तो आप कर रहे हो, लोकसभा में कुर्सी पर बैठने वाले कर रहे हैं, लेकिन बच्चों का कौन ध्यान रखेगा? हमें आमूलचूल बदलाव करना होगा। इस बिल से राजस्थान को न्याय नहीं मिलेगा। बड़े लोगों को न्याय मिलेगा। साढ़े 12 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़ की कोचिंग इंडस्ट्री का संरक्षण तो हर कोई कर रहा है, इस राजस्थान को बचा लो। इतिहास लिखा जाएगा तो हम सबकी गिनती राजस्थान को खत्म करने वालों में आएगी, इस राजस्थान के बचा लो।

पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि, कोचिंग रेगुलेशन बिल अफसरशाही को बढ़ाने वाला है। है। कोचिंग पर रेगुलेशन के लिए जिला और राज्य स्तर पर समिति बनाने का प्रावधान है। इस समिति में अफसरों को मेंबर बनाया है। इससे अफसरशाही बढ़ेगी, इस बिल से बच्चों की आत्महत्याएं कैसे रुकेंगी, इसका ठोस प्रावधान नहीं है। बच्चों की आत्महत्याएं रोकने का मकसद इस बिल से पूरा नहीं हो रहा है।

निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा- कोचिंग पर जुर्माना कम करके अप्रत्यक्ष लाभ दे रहे हो। आपने फीस स्ट्रक्चर पर कोई बात नहीं की। फीस पर बैरियर होना चाहिए। फीस के नाम पर चारों तरफ लूट मची हुई है। फीस पर कोई कंट्रोल नहीं है। फीस कंट्रोल करने के लिए इस बिल में कोई प्रावधान नहीं है। इस बिल का मकसद ही पूरा नहीं हो रहा। बिल का उद्देश्य खत्म हो चुका है। पिछले दिनों एक वीडियो चला, जब एक कोचिंग से एक बच्ची कूदने वाली थी, टीचर्स ने उसे बचाया।

रस्सी से गला घोंटकर युवक को मौत के घाट उतारने वाला हत्यारा गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। खोह-नागोरियान थाना पुलिस ने गत 28 अगस्त को हुई युवक की हत्या का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी और उसके अन्य साथियों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि परिवादी जगदीश प्रसाद मीणा ने मामला दर्ज कराया था कि मेरा दामाद जगदीश नारायण पुत्र किशन सहाय 27 अगस्त को विजेंद्र बसवाल पुत्र लाल चंद घाटी करोलन ,बालाजी मंदिर के पास आया था। मेरा दामाद विजेंद्र के साथ बैक से नीलामी की पुरानी गाड़ी खरीदने - बेचने का काम करता था। विजेंद्र ने जगदीश नारायण के कई गाड़ियों के एडवांस पैसे भी ले रखे थे। दोनो के बीच करीब 25- 30 लाख रुपए का हिसाब था। विजेंद्र ना तो पैसे वापस लौटा रहा था। नहीं ही गाड़ियां दे रहा था।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी सहायत व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए हत्या के मुख्य आरोपी विजेंद्र बसवाल (35) पुत्र

आरोपी विजेंद्र बसवाल

लालचंद बसवाल,घाटी करोलान ,बालाजी मंदिर, जगतपुरा ,खोह नागोरियान को गिरफ्तार कर लिया

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मुख्य आरोपी विजेंद्र बसवाल ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर जगदीश नारायण मीणा को मौत के

- **हत्या कर शव को झाडियों में फेंककर आरोपी हुआ था फरार**
- **पैसे के लेन-देन को लेकर किया था मर्डर**

घाट उतारने की प्लानिंग बनाई ओर 27 अगस्त को जगदीश नारायण को मिलने के लिए बुलाया।

जिसके बाद आरोपी ने अपनी बलेना गाड़ी में जगदीश नारायण को कंडेक्टर साईड में बैठाया और कार अपने साथी को चलाने के लिए दे दी। विजेंद्र गाड़ी की पीछे वाली सीट पर बैठ गया ।

जैसे ही गाड़ी थोड़ा से आगे गई वैसे ही रस्सी से विजेंद्र ने जगदीश नारायण का गला घोट दिया और उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपी जगदीश की लाश को आगरा रोड़ स्थित जेडीए पार्क में झाड़ियों में डाल दिया। जिसके बाद शातिर बदमाशों ने मृतक की मोटरसाईकिल,मोबाइल फोन,रस्सी को ठिकाने लगाया।

12 मंडी समितियों में 43.87 करोड़ रु.के विकास कार्य होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । किसानों के हित में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने कृषि उपज मंडी समितियों में सुविधाओं के विस्तार के लिए लगभग 43 करोड़ 87 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। इस राशि से प्रदेश की 12 मंडी समितियों में विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वीकृति के बाद सोजत सिटी, चौहटन, डीडवाना, जैतारण, बड़ी सादड़ी, डग, अजमेर (फल-सब्जी), बालोतरा, केशोरायपाटन, हिण्डौन सिटी, भगत की कोठी और अजमेर (अनाज) कृषि उपज मंडी समितियों में यह राशि व्यय की जाएगी।

लगभग 43.87 करोड़ रुपये की यह राशि मंडी विकास निधि से आगामी तीन वर्षों में खर्च की जाएगी। सरकार ने मंडी परिसरों के अधोसंरचना विकास के तहत झालरापाटन, जालोर, सीकर, बीकानेर (अनाज), जयपुर (अनाज), मुहाना, जयपुर (फल-सब्जी), पूगल रोड (अनाज), बीकानेर और मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) की मंडी समितियों के लिए लगभग 25 करोड़ 95 लाख रुपये भी स्वीकृत किए हैं। इस राशि से विद्युत संबंधी कार्यों के साथ-साथ मंडी यार्ड और संपर्क सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

पूर्ववर्ती सरकार ने स्वीकार किया, इसलिए प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर : ऊर्जा मंत्री

जयपुर (विसं)। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने विधानसभा में बुधवार को कहा कि प्रदेश में फिलहाल आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इस योजना की क्रियान्विति की प्रक्रिया 21 मार्च 2022 को पूर्ववर्ती सरकार के समय कैबिनेट के अनुमोदन के साथ शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के टेंडर आमंत्रित करने का काम भी पूर्ववर्ती सरकार के समय ही प्रारंभ हुआ। हमारी सरकार ने तो इस योजना को आगे बढ़ाने का काम किया है। नागर प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों पर जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय ही स्मार्ट मीटर के 10 पैकेजों के टेंडर 16 जनवरी, 2023 को आमंत्रित किए गए थे। स्मार्ट मीटर कोई थोपी हुई योजना नहीं है। देश में जिन राज्यों ने इसे स्वीकार नहीं किया वहां स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा रहे। यदि पूर्ववर्ती सरकार नहीं चाहती तो इसे कैबिनेट से स्वीकार नही करती और प्रदेश में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा सकते थे। नागर ने कहा कि आरडीएसएस योजना के तहत राज्य को मिलने वाली अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने के काम को गति दी गई। उन्होंने कहा योजना की गाइडलाइन में स्पष्ट है कि जब तक 25 प्रतिशत सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर नहीं लगेंगे तब तक अनुदान राशि प्राप्त नहीं होगी। यह अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए हमने इस गाइडलाइन का पालन करते हुए तेजी से काम किया और प्रदेश के 25 प्रतिशत सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने में सफलता हासिल की। नागर ने कहा कि नए कनेक्शन पर पुराने इलेक्ट्रॉनिक मीटर भी लगाने की संशोधित गाइडलाइन इसलिए जारी की गई क्योंकि जले हुए खराब मीटरों तथा नए कनेक्शन के लिए मीटर की पेंडेंसी बढ़ गई थी। संवेदक द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का काम धीमी गति से किया जा रहा था। इसलिए हमने जनहित में संशोधित गाइडलाइन जारी की। जिसके जरिए निर्णय किया कि स्मार्ट मीटर की बजाय सामान्य मीटर से भी नए कनेक्शन करेंगे ताकि जनता को नए कनेक्शन में देरी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए कनेक्शनों तथा जले हुए मीटर के स्थान पर सामान्य मीटर लगाने का काम तात्कालिक है। जैसे ही पर्याप्त उपलब्धता होगी इन कनेक्शनों पर भी स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।